



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

105/21  
24/11/88

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 622] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 28, 1988/अग्राहायण 7, 1910  
No. 622] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 28, 1988/AGRAHAYANA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1988

आयकर

का० भा० 1-08(अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के  
लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (दसवां संशोधन)  
नियम, 1988 है।
- (2) ये 1 दिसंबर, 1988 को प्रवृत्त होंगे।
- आय-कर नियम 1962 में,--
- (1) नियम 117 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया  
जाएगा, अर्थात् :-

"117 धारा 80-ए के अधीन करार के अनुमोदन के लिए  
प्रावेदन.

किसी करार के अनुमोदन के लिए धारा 80-ए के प्रथम परन्तुक  
के अधीन, यथास्थिति, मुख्य आयुक्त या महानिदेशक को प्रावे-  
दन प्रारूप सं. 107 में होगा।";

- (2) परिशिष्ट 2 में, प्रारूप सं. 107 के पश्चात् निम्नलिखित  
अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"प्रारूप 107

(नियम 117 देखिए)

कतिपय विदेशी उद्यमों से स्वामित्व प्राप्त के बाबत कटौती से संबंधित  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80-ए के अधीन करार के अनु-  
मोदन के लिए प्रावेदन ---

- (i) आवेदक का नाम और पता
- (ii) यह उल्लेख करें कि क्या आवेदक आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 2(26) में यथापरिभाषित भारतीय कंपनी  
है।

- (iii) स्थायी सेवा सं./साधारण सूचकांक रजिस्टर सं.  
 (iv) प्रा.क.अ./सं.भा./उप-भा./भा.भा. जिसकी अधिकारिता के नीचे आवेदक का निर्धारण किया गया है या निर्धारण योग्य है  
 (v) भारत में चलाए गए कारबार की प्रकृति  
 (vi) क्या यह धारा 80-ग के अधीन अनुमीत के लिए प्रथम आवेदन है?

2\*\* (i) विदेशी पत्रकार के साथ करार की तारीख

- (ii) यदि करार पर विभिन्न तारीखों को पत्रकारों द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं तो उन तारीखों को उपस्थित करें:

\*\*\* (iii) यदि करार किसी पूर्व की तारीख से प्रभावी होने के लिए तालमिल हो तो ऐसी तारीख उपस्थित करें:

3. (क) विदेशी सरकार/विदेशी उद्यम का नाम और पता जिससे निर्धारित ने ऐसी भाग प्राप्त की थी या करेगा; जिसकी बाबत कटौती का दावा किया गया है;  
 (ख) यदि निर्धारण भारत में किया गया है तो स्थायी सेवा सं./साधारण सूचकांक रजिस्टर सं. सहित वह भागकर क्षेत्र जहाँ निर्धारण किया गया है;  
 (ग) विदेशी उद्यम द्वारा भारत में चलाए गए कारबार यदि कोई हो, की प्रकृति और व्यवस्था;

4. क्या प्राय निम्नलिखित के प्रतिक्रम में प्राप्त की गई है:--

(क) निम्नलिखित का भारत के बाहर प्रयोग:

- (i) कोई पेटेंट आविष्कार, माडल, डिजाइन, गुप्त फार्मूला या प्रक्रिया, समान संपत्ति अधिकार;

या

- (ii) औद्योगिक, वाणिज्यिक या वैज्ञानिक ज्ञान से संबंधित जानकारी, उपलब्ध कराया गया या प्रदाय किया गया या उपलब्ध कराए जाने या प्रदाय कि जाने के लिए तय पाया गया अनुभव या कौशल;

(ख) भारत के बाहर की गई या की जाने के लिए तय पाई गई तकनीकी सेवाएं।

5. यदि तकनीकी ज्ञान पूर्वोक्त 4(क)(i) के अन्तर्गत आता है तो निम्नलिखित उपस्थित करें:--

- (क) आवेदक ने वह किस प्रकार अर्जित किया था अपने उसे अर्जित करने के लिए कौन से प्रबन्ध किए;  
 (ख) उसकी बाबत आवेदक के अपने स्वयं के अधिकार क्या हैं;  
 (ग) क्या करार के अन्य पत्रकार के साथ उसके उपबन्धों में निम्नलिखित अंतर्भूत हैं;

- (i) उसकी बाबत आवेदक के सभी या किन्हीं अधिकारों का अंतरण; यदि हां, तो कृपया अंतरित अधिकार की प्रकृति और विस्तार तथा उसके अन्तर्गण की सीमा का विनिर्देश करें;

- (ii) उसके कार्यकरण या प्रयोग के संबंध में कोई जानकारी देना; यदि हां, तो कृपया वी गई जानकारी और उसके लिए जाने की नीति का विनिर्देश करें;

- (iii) करार के अन्य पत्रकार द्वारा उसका प्रयोग; यदि हां, तो कृपया उसके प्रयोग की प्रकृति और नीति का विनिर्देश करें;

6. यदि तकनीकी ज्ञान पूर्वोक्त 4(क)(ii) के अन्तर्गत आता है, तो निम्नलिखित का विनिर्देश करें--

- (क) उसे प्राप्त करने और देने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध प्रबन्ध;  
 (ख) देने की रीति;  
 (ग) विदेशी पत्रकार को वी गई उचित जानकारी को समाविष्ट करने के लिए रिपोर्टों के ब्यौरे (प्रतियां संलग्न करें)।  
 (घ) विदेशी पत्रकार द्वारा जानकारी का किस प्रकार प्रयोग किया गया है?

7 (क) पूर्वोक्त 4(ख) में तकनीकी सेवाएं करने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध प्रबन्धों के विवरण और ऐसी सेवाएं करने की रीति।

(ख) यदि तकनीकी सेवाएं भारत के बाहर की जाती हैं:--

- (i) वह क्षेत्र जिनमें सेवाएं की गईं जैसे (इंजीनियरी, कम्प्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर, पोतपरिमहन, विज्ञापन, परिवहन, सामग्री की धराई, मशीनरी, का खोलना, मशीनरी का अनुकरण और प्रचालन, कृत्यकारी जाल, कभीयन करमा, पर्यवेक्षण)।

- (ii) क्या प्रतिनियुक्ति कामिक आवेदक के अपने स्वयं के कर्मचारी या सलाहकार हैं? यदि नहीं हैं तो क्या ये व्यक्ति किसी संविदा या करार के अधीन कार्य कर रहे हैं (उस वधा में, ऐसे करार की प्रतियां दी जाएं)।

8 यदि तकनीकी कामिकों को विदेश में प्रतिनियुक्त किया गया था:--

- (क) ऐसे तकनीकी कामिकों के ब्यौरे;  
 (ख) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के विदेश में ठहरने की प्रबन्ध; और  
 (ग) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा की गई वास्तविक सेवाएं:--

9. क्या करार उन सेवाओं से भिन्न जो धारा 80-ग के अन्तर्गत आती हैं, किसी सेवा के लिए जाने या तकनीकी ज्ञान के प्रदाय का उपबन्ध करता है यथात् मास का प्रदाय, सेवाओं के सर्ती, प्रबन्धकीय, वित्तीय या वित्तीय सेवा आदि) यदि हां, तो कृपया उनका और ऐसे कार्यकर्ताओं से संबंधित प्रतिक्रम की एकम का भी विनिर्देश करें।

10. क्या आवेदक ने इस करार के अधीन उपलब्ध कराए जाने वाले या तकनीकी सेवाएं देने के लिए तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत या विदेश में किसी अन्य व्यक्ति के साथ कोई ठहराव या करार किए हैं, यदि हां तो उनके ब्यौरे दें:

- (i) ऐसे व्यक्ति का नाम और पता;  
 (ii) लिखित करार, यदि कोई हो की प्रमाणित प्रत सहित करार या ठहराव के ब्यौरे;  
 (iii) ऐसे व्यक्ति के साथ आवेदक के संबंध और सहयोग की प्रकृति और विस्तार।

11. क्या सेवाओं का कोई भाग करार की तारीख के पूर्व किया गया था, यदि हां तो ऐसी सेवाओं से संबंधित भाग या वह भाग जिसे धारा 80-ग के प्रयोजनों के लिए अनुभात करना होगा।

12. क्या करार आवेक पत्र पर कोई व्यापार निर्यन्धन अधिनियमित करता है, यदि हाँ तो ऐसे निर्यन्धन का विस्तार और ऐसे निर्यन्धन से संबंधित प्राय की वह रकम जिसे धारा 80-ग के अधीन अनुज्ञात किया जाना है।

13. क्या करार में निम्नलिखित का उपबन्ध किया गया है :

(क) भारत में दिए जाने वाला प्रशिक्षण;

(ख) यदि हाँ, तो कामियों के प्रवेश और उनकी सं. जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा और ऐसे प्रशिक्षण की अवधि;

(ग) भारत में ऐसे प्रशिक्षण से संबंधित फीस का भाग जिससे करार के अधीन कुल फीस में से धारा 80-ग के प्रयोजनों के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

14. यदि प्रवाय की गई तकनीकी या उपकरण से संबंधित तकनीकी ज्ञान और तकनीकी दस्तावेजों के लिए बाबा धारा 80-ग के अधीन है तो क्या करार में निम्नलिखित का उपबन्ध है :

(क) ऐसे ज्ञान और दस्तावेज आवेकक द्वारा प्रदाय किए जा रहे हैं;

(ख) ऐसे ज्ञान और दस्तावेज के लिए पूरक संदाय, यदि हाँ तो उसके ब्यौरे हैं (यदि नहीं तो किस आधार पर धारा 80-ग के अधीन बाबा किया गया है);

15. (क) क्या करार भारत में कोई अन्य सेवा करने के लिए उपबन्ध करता है?

(ख) यदि हाँ, तो ऐसी सेवाओं से संबंधित प्राय का वह भाग उप-बंधित करें जिसे धारा 80-ग के प्रयोजनों के लिए अनुज्ञात करना होगा।

16. क्या तकनीकी कामियों के प्रयोग के लिए विदेशी पक्षकार को उनके प्रदाय के लिए करार है? यदि हाँ, तो उसके ब्यौरे हैं।

17. प्राय की प्रकृति जिसकी बाबत कटौती का बाबा किया गया है, अर्थात्, स्वायत्त, कर्मश्रम, फीस या कोई अन्य समान संदाय।

18. ऐसी रकम की संगणना भहित अधिनियम की धारा 80-ग के अधीन कटौती के लिए बाबा की गई रकम।

19. तकनीकी, ज्ञान, सेवाओं के प्रदाय के लिए संदाय के निबंधन और उसका ढंग।

20. (क) क्या प्राय समपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में भारत में प्राप्त की गई है? यदि हाँ तो उसके दस्तावेजों माध्यम फाइल करें।

(ख) यदि संदाय का कोई भाग नकद रूप से भिन्न किया गया है तो ब्यौरे देकर उस भाग को उपदर्शित करें।

21. विदेशी उद्यम के जिन प्रतिनिधियों के प्रबन्ध में आवेकक के नियंत्रण का कितना विस्तार है।

22. क्या आवेकक का उपरोक्त (3) पर विदेशी पक्षकार के साथ (व्यापार, तकनीकी सहयोग या सेवाओं का करना या किसी अन्य प्रयोजन के लिए कोई अन्य करार है। यदि हाँ, तो उसकी प्रतियाँ दी जाएं।

23. यदि विचाराधीन करार:--

(क) नवीकरण के लिए; (ख) विस्तारण के लिए; (ग) उपसर्गण के लिए; या (घ) किसी पूर्व करार के स्थान पर है-मूल करारों की प्रतियाँ दी जाएगी।

24. किसी विदेशी पक्षकार के साथ जिसके प्रस्तावित क्रम संख्या 3 पर निविष्ट पक्षकार है, धारा 80-ग के अधीन अनुमोदन के लिए किनी पूर्व-प्रावधान का विशिष्टता।

(क) विदेशी पक्षकार का नाम,

(ख) करार की तारीख

(ग) धारा 80-ग के अधीन आवेकक की तारीख

(घ) आवेकक का परिणाम (अनुमोदन/नामजूर किए जाने के पक्ष की प्रति संलग्न की जाए।

25. (i) प्रथम निर्धारण का जिसकी बाबत धारा 80-ग के अधीन अनुमोदन दीमित है।

(ii) परभावपूर्व निर्धारण यदि जिसके लिए अनुमोदन के प्रबंधित होने को बाछा की गई है।

(iii) पूर्व बर्ण।

(iv) इस करार के अधीन प्राय की बाबत खपनाई जाने वाली सेवा की रीति,

\*\*\*\*26. क्या आवेकक किसी अन्य व्यक्ति को वैसे ही समान तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराना है या समान तकनीकी सेवाएं करता है जो वर्तमान करार के अधीन है?

\*\*\*\*\*27. क्या संदाय का कोई भाग निम्नलिखित में प्रतिपादित किया गया है,--

(क) विचाराधीन करार के अनुसरण में आवेकक द्वारा कलाई गई किसी विदेशी परीक्षा का निष्पादन, या

(ख) आवेकक द्वारा किए गए किसी कार्य का निष्पादन जो किसी विदेशी सरकार या किसी कानूनी या अन्य लोक प्राधिकारी या विदेशी राज्य में अधिकरण या विदेशी उद्यम के साथ ऐसे किसी व्यक्ति द्वारा किए गए संबंध के अनुसरण में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कलाई गई विदेशी परीक्षा का भाग हैं।

28. उपरोक्त 27 (ख) के प्रतिनिर्देश से,--

(क) विदेशी परीक्षा के निष्पादन के लिए विदेशी सरकार या उद्यम के साथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए गए संबंध की तारीख से।

(ख) क्या सभी सेवाएं आवेकक द्वारा:--

(i) ऐसी संविदा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व, या

(ii) संविदा पर हस्ताक्षर करने के पश्चात्, की गई थी।

प्रावधान के हस्ताक्षर और पराभिधान

सत्यापन

मैं-----यह घोषित करता हूँ कि ऊपर का कुछ कथित किया गया है, वह मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

प्राप्त तारीख-----19--की सत्यापित किया गया।

स्थान-----

आवेकक के हस्ताक्षर और पराभिधान

टिप्पण :—

\*यदि हाँ, तो और हानि लेखा हुआ पत्र सापत, और  
यम अनुसूचि सलग्न किए जाए।

\*\*कारार, पत्राचार विनियम या अन्य वस्तुओं की लेख्य प्रमा-  
णित प्रतियाँ, जिनसे कारार साक्षित होता हो, सलग्न की  
जायें। पर या टेलेक्स के विनियम द्वारा कारार की वसा  
में, प्रत्यापना और प्रतिप्रहण की शारीर्यो का भी उल्लेख  
किया जाएगा।

\*\*\*यह साक्षित करने के लिए पत्राचार की प्रतियाँ सलग्न  
करें कि पत्राचार कारार के विषयों के लिए, तारीख के  
पूर्व लिखित रूप में सहमत हो गए थे।

\*\*\*\*यदि हाँ, तो उपरोक्त संश्लिप्त विनिष्टियों में और क्या इन  
विनिष्टियों का केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड/मुख्य  
धायकों द्वारा अनुमोदन किया गया था।

\*\*\*\*\*इस प्रयोजन के लिए "विशेषी परियोजना" से विनिष्टित  
के लिए परियोजना अधिकृत है—

- (i) भारत के बाहर किसी ज्वन, सङ्ग, बाँध, पुन  
या अन्य संरचना का सनिर्माण,
- (ii) भारत के बाहर किसी मशानरी या संयंत्र का सभजन  
या संस्थापन,
- (iii) ऐसे अन्य कार्य का निष्पादन (चाहे किसी भी  
प्रकृति का हो, जो विहित किया जाए।

[सं. 8135 फा.स. 142/9/88-टीपीएल]

विषय, मायुर, निदेशक (टीपीएल)  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th November, 1988

#### INCOME-TAX

S.O. 1108 (E).—In exercise of the powers conferred  
by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (48  
of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby  
makes the following rules further to amend the  
Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax  
(Tenth Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the 1st day of  
April, 1989.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(1) after rule 11D, the following rule shall be  
inserted, namely :—

"11E. Application for approval of Agreement  
under section 80-O.

The application to the Chief Commissioner or the  
Director General, as the case may be, under the  
first proviso to section 80-O for approval of any agree-  
ment shall be in Form No. 10F."

(2) in Appendix II, after Form No. 10E, the fol-  
lowing Form shall be inserted, namely :—

"FORM NO. 10F

(SEE RULE 11E)

APPLICATION FOR APPROVAL OF AGREE-  
MENT UNDER SECTION 80-O OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 RELATING TO DEDUCTION  
IN RESPECT OF ROYALTIES, ETC. FROM CER-  
TAIN FOREIGN ENTERPRISES.

1. (i) Name and address of the applicant.

(ii) State whether the applicant is an Indian  
Company as defined in section 2 (26) of the  
Income-tax Act, 1961.

(iii) Permanent Account Number|General Index  
Register Number.

(iv) ITO|AC|DC|CIT within whose jurisdiction  
the applicant has been assessed or is assess-  
able.

(v) Nature of business carried on in India.

\*(vi) Whether this is the first application for  
approval under section 80-O ?

2. \*\* (i) Date of agreement with the foreign party.

(ii) If the agreement is signed by the parties on  
different dates indicate such dates :

\*\*\* (iii) If the agreement purports to take  
effect from an earlier date indicate such  
date :

3. (a) Name and address of the foreign Gov-  
ernment|foreign enterprise from whom the  
assessee received or will receive income in  
respect of which deduction is claimed :

(b) If assessed in India, the Income Tax Cir-  
cle where assessed with Permanent Account  
Number|General Index Register Number.

(c) Nature and location of business, if any, car-  
ried on in India by the foreign enterprise.

4. Whether the income is received in consideration  
for —

(a) the use outside India of —

(i) any patent, invention, model, design, sec-  
ret formula or process, or similar prop-  
erty right ;

or

(ii) information concerning industrial, com-  
mercial or scientific knowledge, experi-  
ence or skill made available or provid-  
ed or agreed to be made available or  
provided ;

- (b) technical services rendered or agreed to be rendered outside India.

5. If the technical know-how falls under 4(a) (i) above, indicate :—

- (a) how the applicant acquired it or what arrangements he had made for acquiring it ;
- (b) what are the applicant's own rights in respect thereof ;
- (c) whether its provision to the other party to the agreement involves,—
  - (i) transfer of all or any right of the applicant in respect of it ; if so, please specify the nature and extent of the right transferred and manner of its transfer ;
  - (ii) the imparting of any information concerning its working or use ; if so, please specify the information imparted and the manner of its imparting ;
  - (iii) its use by the other person to the agreement ; if so, please specify the nature and manner of the use.

6. If the technical knowhow falls under 4(a) (ii) above please specify :—

- (a) the arrangements available with the applicant for obtaining and imparting it ;
- (b) the manner of imparting ;
- (c) details of reports containing the said information furnished to the foreign party (enclose copies) ;
- (d) how the information was put to use by the foreign party.

7. (a) Details of the arrangements available with the applicant for rendering technical services in 4(b) above, and the mode of rendering such services.

(b) If technical services are rendered outside India :

- (i) the field in which services were rendered such as (engineering, computer hardware| software, shipping, advertisement, transport, material handling, dismantling of machinery, maintenance and operation of machinery, functional tests, commissioning, supervision.)
- (ii) whether the personnel deputed are applicant's own employees or advisers. If not, whether these persons are working under any contract or agreement, (in which case, copies of such agreements to be furnished.)

8. If technical personnel were deputed abroad :—

- (a) details of such technical personnel ;
- (b) period of stay abroad of each such person ; and
- (c) actual services rendered by each such persons ;

9. Does the agreement provide for supply of technical know-how or rendering of any services other than those covered by section 80-O (e.g. supply of goods, recruitment services, managerial, financial or sales services etc.). If so, please specify them and also the amount of consideration relatable to such activities.

10. Has the applicant made any arrangements or agreements with any other person, in India or abroad, for obtaining the technical know-how, to be provided under this agreement or for rendering technical services, if so, the details thereof, —

- (i) name and address of such other person ;
- (ii) details of the agreement or arrangement together with a certified copy of the written agreement, if any ;
- (iii) the nature and extent of applicant's relationship and association with such other person.

11. Whether any part of the services were rendered prior to the date of the agreement, If so, the portion of income relatable to such services which would have to be disallowed for purposes of section 80-O.

12. Whether the agreement imposes any trade restriction on the applicant, if so, the extent of such restriction and the amount of income relatable to such restriction to be disallowed under section 80-O.

13. Does the agreement provide for any —

- (a) training to be imparted in India ?
- (b) if so, the category and number of personnel to be trained and the period of such training.
- (c) the portion of fees relatable to such training in India which is to be disallowed for purposes of section 80-O out of the total fees under the agreement.

14. If the claim under section 80-O is for technical know-how and technical documentation relating to machinery or equipment supplied, does the agreement provide for;

- (a) such know-how and documentation being supplied by the applicant;
- (b) separate payment for such know-how and documentation; if so, details thereof;

(if not, on what basis the claim is made under section 80-O).

15. (a) Whether the agreement provides for rendering any services in India.

(b) If so, indicate the portion of income relatable to such services which will have to be disallowed for purposes of section 80-O.

16. Is the agreement for the supply of technical personnel to the foreign party for use of the latter; If so, details thereof.

17. The nature of income in respect of which deduction is claimed, namely, royalty, commission, fees, or any similar payment.

18. The amount claimed for deduction under section 80-O of the Act alongwith computation of such amount.

19. The terms and mode of payment for supply of technical know-how, services.

20 (a) Whether the income has been received in India in convertible foreign exchange; if so, file documentary evidence thereof.

(b) If any part of the payment is other than by way of cash, indicate that portion with details.

21. What is the extent of control of the applicant in the day-to-day management of the foreign enterprise.

22. Has the applicant any other agreement (for trade, technical collaboration, or rendering services or for any other purpose) with the foreign party at (3) above. if so, copies of the same may be furnished.

23. If the agreement under consideration is —

- (a) for renewal; (b) for extension; (c) for modification; or (d) in substitution of any earlier agreement — copies of original agreements should be furnished.

24. Particulars of any previous applications for approval under section 80-O with any foreign party including the party referred to at serial number 3

- (a) Name of the foreign party.

(b) Date of agreement

(c) Date of application under section 80-O.

(d) Result of application (Copy of letter of approval/rejection to be enclosed).

25. (i) First assessment year in respect of which approval under section 80-O is sought for.

(ii) Subsequent assessment year, for which the approval is desired to be operative.

(iii) Previous year.

(iv) Method of accounting followed in respect of income under this agreement.

\*\*\*\*26. Did the applicant provide similar technical know-how or render similar technical services as under the present agreement to any other person?

27. Whether any part of the payment is derived from, —

(a) The execution of a foreign project undertaken by the applicant in pursuance of the agreement under consideration, or

(b) the execution of any work undertaken by the applicant and forming part of a foreign project undertaken by any other person in pursuance of a contract entered into by such other person with a foreign Government or any statutory or other public authority or agency in a foreign State or a foreign enterprise.

28. With reference to 27 (b) above, —

(a) furnish the date of the contract entered into by the other person with the foreign government or enterprise for the execution of the foreign project.

(b) whether all the services were rendered by the applicant —

(i) before the signing of such contract; or

(ii) after signing of the contract.

Signature and  
designation of the applicant.”  
Verification

I.....do hereby declare that what is stated above is true to the best of my knowledge and belief.

Verified today, the..... day of.....  
19.. ..

Signature and  
designation of the applicant.”

Place.....

## NOTES :-

\* If so, profit and loss account, Balance Sheet, Memorandum and Articles of Association to be enclosed.

\*\* Notarised copies of agreement/exchange of correspondence or other documents evidencing the agreement to be enclosed. In the case of agreement by exchange of letters or telexes, dates of offer and acceptance shall also be mentioned.

\*\*\* Enclose copies of correspondence to evidence that parties had agreed in writing prior to that date to the terms of the agreement.

\*\*\*\* If so, please give brief particulars thereof, and whether these were approved by the Central

Government/Central Board of Direct Taxes/Chief Commissioners.

\*\*\*\*\* "Foreign project" for this purpose means a project for —

- (i) the construction of any building, road, dam, bridge or other structure outside India ;
- (ii) the assembly or installation of any machinery or plant outside India ;
- (iii) the execution of such other work (of whatever nature) as may be prescribed.

[No. 8135/F. No. 142/9/88-TPL]

VIJAY MATHUR, Director (TPL)  
(Central Board of Direct Taxes)

